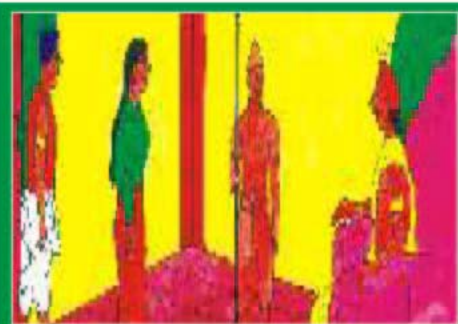


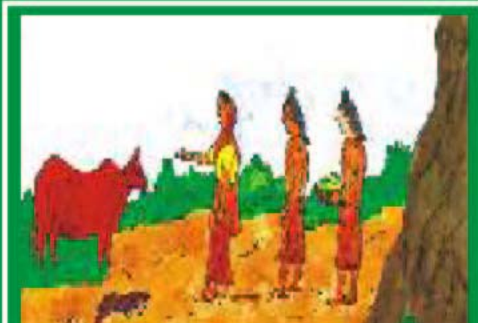
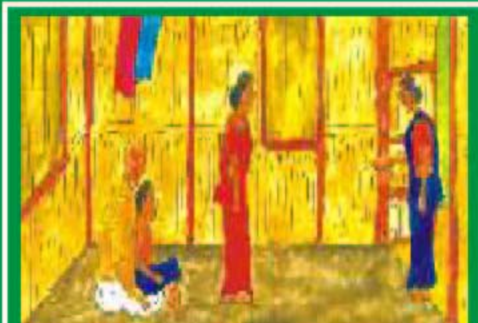
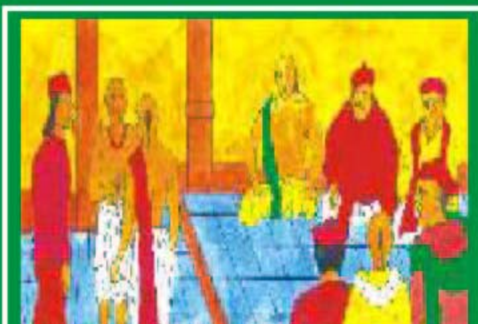
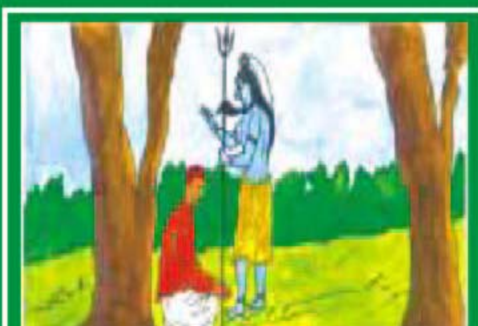




मिथिलाक लोक देवता आ आन मैथिली चित्रकथा

प्रीति ठाकुर



क्रम

1st Edition 2010 of Mithilak Lokdevta aa aan Maithili Chitrakatha
(Maithili Language)
by Preety Thakur narrated by Gajendra Thakur
and *Published by* Shruti Publication,
8/21, Ground Floor, New Rajendra Nagar, New Delhi-110008
Tel: 011-25889656, 25889658 | Fax: 011-25889657

ISBN: 978-93-80558-24-2

Price: Rs. 50/- (INR)- for individual buyers
US $ 80 for libraries/institutions (India & abroad)

श्रुति प्रकाशन

रजिस्टर्ड ऑफिस: 8/21 भूतल, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली- 110008
दूरभाष: 011-25889656-58 फैक्स: 011-25889657

website:// www.shruti-publication.com
email: shruti.publication@shruti-publication.com

Printed by AJAY ARTS, Delhi-110002 Tel. 011-23288341

Distributor: Dr. Umesh Mandal Mob: 09931654742.

1- ekrhlk;j

मिथिलाक मोरंगक राजा भीमसेनकेँ संतान नञि छलन्हि, से ओ यज्ञ केलन्हि।



यज्ञक प्रतापसँ हुनका एकटा बेटी भेलन्हि। राजा ओकर नाम मोतीसायर राखलन्हि।



फेर मोतीसायर पैघ भऽ गेलीह। राजा ओकर कुण्डली बनबओलन्हि। मुदा कुण्डली बनओनिहार ब्राह्मण मोतीसायरक अद्‌भुत भाग्य देखि ओकरासँ विवाह करबाक प्रण कएलक।



से ओ राजाकेँ कहलक-



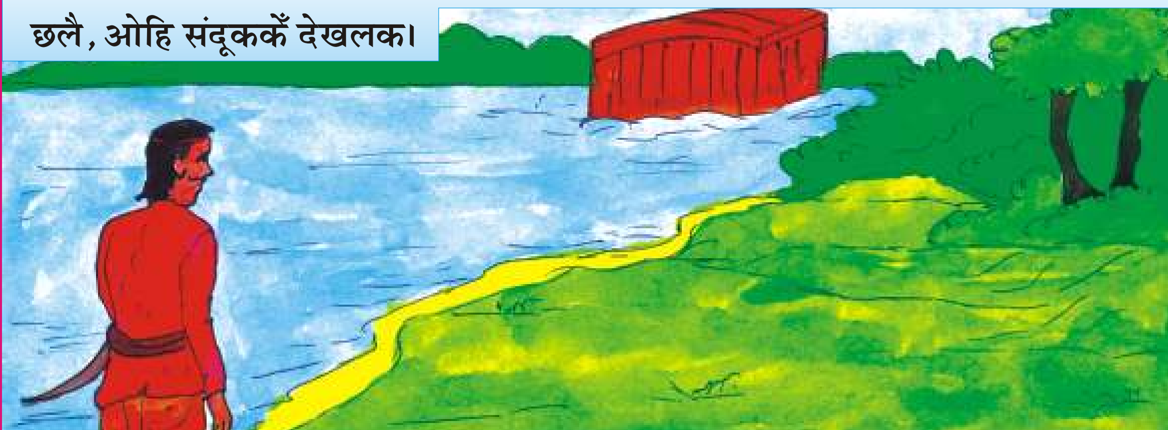
ब्राह्मण मोनमे सोचलक-



राजा मोतीसायरकेँ संदूकमे बन्न कऽ बहा देलक।



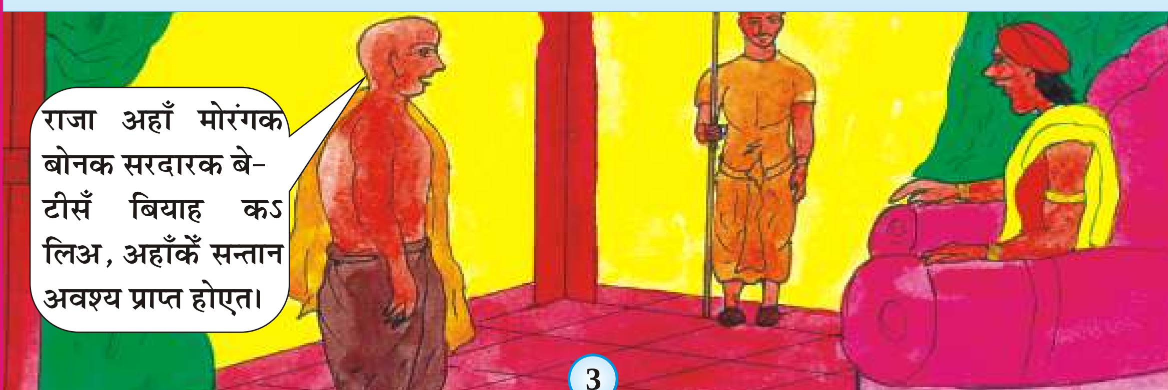
ओ संदूक बहैत-बहैत मोरंगक बोन लग पहुँचल आ ओतुक्का सरदार, जकरा संतान नञि छलै, ओहि संदूककेँ देखलक।



ओहि सरदारक नाम गवल रहै। ओ संदूकसँ मोतीसायरकेँ निकालि ओकरा बेटी बना घर लऽ गेल।



ब्राह्मणकेँ एहि गपक जानकारी भऽ गेलै। ओ राजाकेँ गवलक बेटीसँ बियाह करबऽ चाहलक, जाहिसँ बियाहक बाद राजा लाजे जहर-माहुर खा लिऐ आ ओ राजा बनि जाए।



ब्राह्मण सोचलक-

आब राजा अपन बेटीसँ बियाह करत आ चाहे तँ ओ आत्महत्या कऽ लेत वा प्रजा ओकरा गद्दीसँ हटा देतै आ हम बनि जाएब राजा।



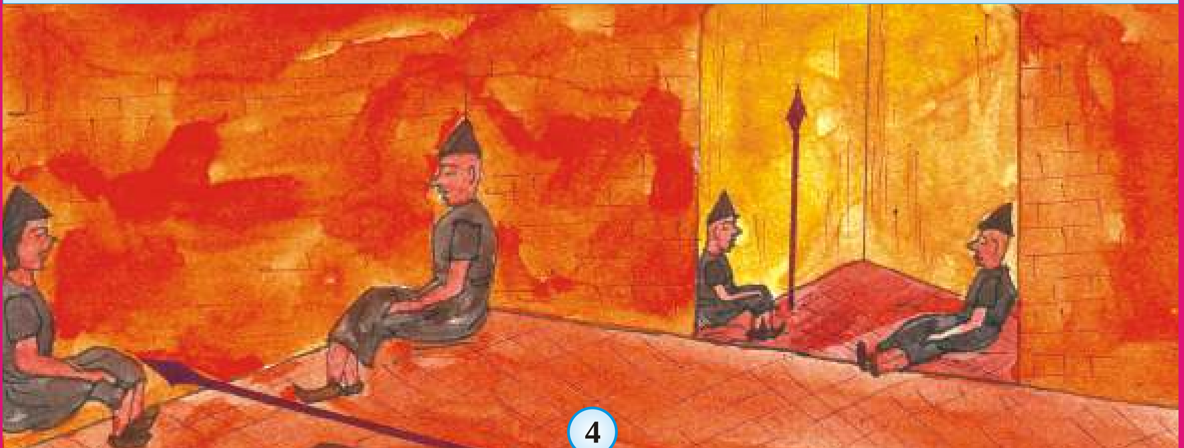
राजा मोरंगक बोन युद्ध करऽ गेल, मुदा गवल राजाकेँ हरा देलकै, मुदा हरा कऽ बकसि देलकै।



राजा घुरि कऽ राज्य अएलाह आ यादवक प्रतापी सरदार लोकदेव कृष्णारामकेँ बजेलन्हि।



कृष्णाराम गवलक किलामे मरछाउर छिटवा देलन्हि। सभ पहरेदार बेहोश भऽ गेल।



कृष्णाराम मोतीसायरकेँ लऽ राजा लग अएलाह। राजा कृष्णारामकेँ अदहा मोरंग दऽ देलन्हि। कृष्णाराम घुरि गेलाह।



राजा सन्तान प्राप्ति लेल आन्हर छलाह से ओ अपन बेटीकेँ नञि चीन्हि सकलाह आ ओकरासँ बियाह करऽ चाहलन्हि। मोतीसायर हुनका स्राप देलन्हि आ बिला गेलीह।



मोतीसायरकेँ मोक्ष भेटलन्हि आ भीमसेन आ ओकर राज्य नष्ट भऽ गेल।

२. गांगोदेवी

एकटा मलाह परिवार मिथिलाक, गांगोदेवीक पति, भैंसुर आ ससुर माछ मारैले गेलाह, मुदा जालमे एकोटा माँछ नञि ।



फेर जाल फेकलन्हि। मुदा वएह गप।



धारमे लागैए माछ नञि छैक। की कोना होएत।



ठीक छै, ई आखिरी बेर जाल फेकै छी।



मुदा आश्चर्य! जालमे माँछ भरि गेलै।



नाह माँछसँ भरि गेलै।



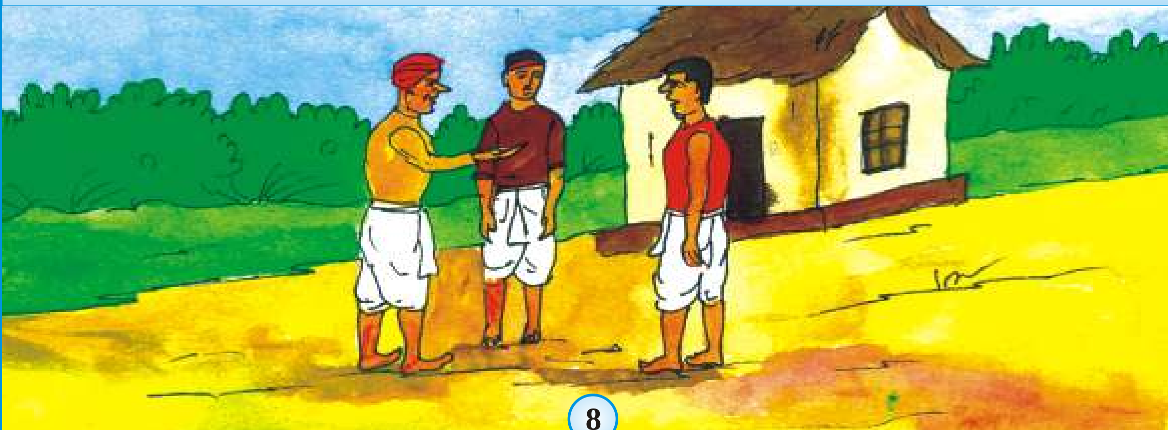
तीनू गोटे माँछ बेचि अएलाह।



चूड़ी-साड़ी लऽ कऽ गांगोकेँ देलन्हि।



फेर गांगोदेवीक भगताक विषयमे आस्ते-आस्ते सभकेँ जानकारी भेलै।



एखनो मिथिलामे मलाह लोकनि आ दोसरो लोकसभ गांगोदेवीक नाम ल ऽकऽ जाल फेकै छथि। आ हुनकर जाल माँछसँ भरि जाइत अछि।



३. लालबन बाबा

लालबन आ मनसाराम। चर्मकार जातिक। महीस पोसैत छलाह, संगे-संग महीस चरबैले जाइत छलाह नौहट्टाक बोनक बगलक चौरीमे।



एक दिन महीसकेँ बाघिन घेरि लेलकै।



लालबन ओकरा बचबैले दौगलाह।



बाघिन लग लालबन पहुँचलाह।



युद्ध भेल। लालबन वीर छलाह, हथियार राखि हाथसँ युद्ध केलन्हि मुदा हारऽ लगलाह।



मनसाराम महीस लऽ घुरि अएलाह, मुदा लाज आ भयसँ एहि घटनाक चर्च ओ नञि केलन्हि



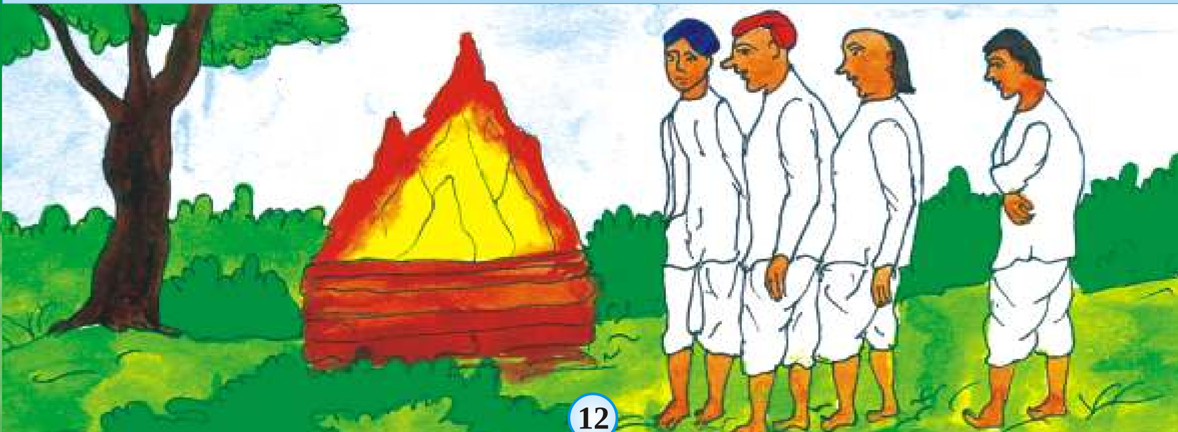
लालबनक आत्माकेँ कष्ट भेलै। ओ मनसारामकेँ एहि लेल मृत्युदंड देलक।



लालबनक आत्मा गाममे सभकेँ लालबनक लहाशक स्थलक सूचना देलक।



गौआँ सभ हुनकर संस्कार केलन्हि।



एखनो भगताक गोहारि सुनि लालबनक आत्मा भगताक शरीरमे अबैत छथि आ लोकक मनोकामना पुरैत छथि।





४. गरीबन बाबा

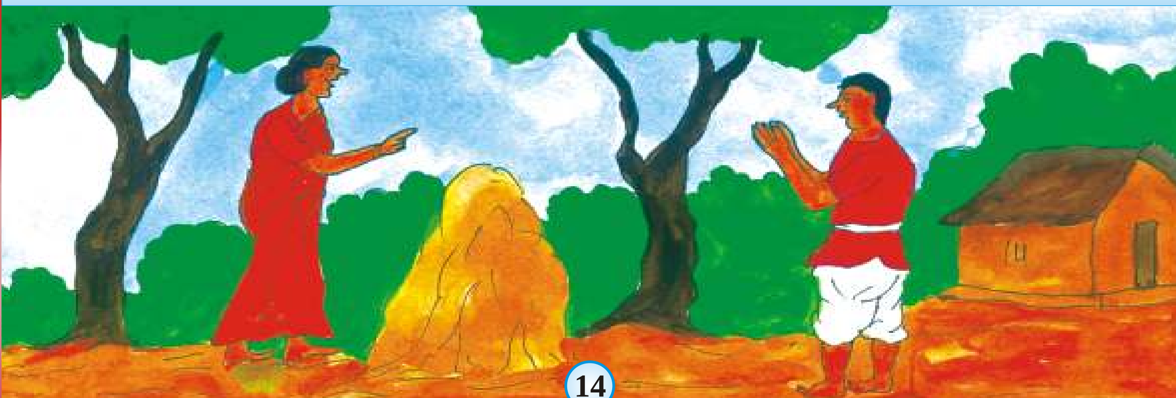
कमला कातमे उघरा गाम, ओतहि रहै छलाह तीनटा पहलमान-रजक गरीबन, यादव घासी आ ब्राह्मण बरहम ठाकुर।



तीनू अखराहाक पहलमान। एक दिन अखराहा लग कमलाक पीड़ी मे गरीबनक पएर धोखासँ भीरि गेलन्हि।



कमला महरानी एहि गपपर गरीबनपर तामसे बिक्ख भऽगेलीह।



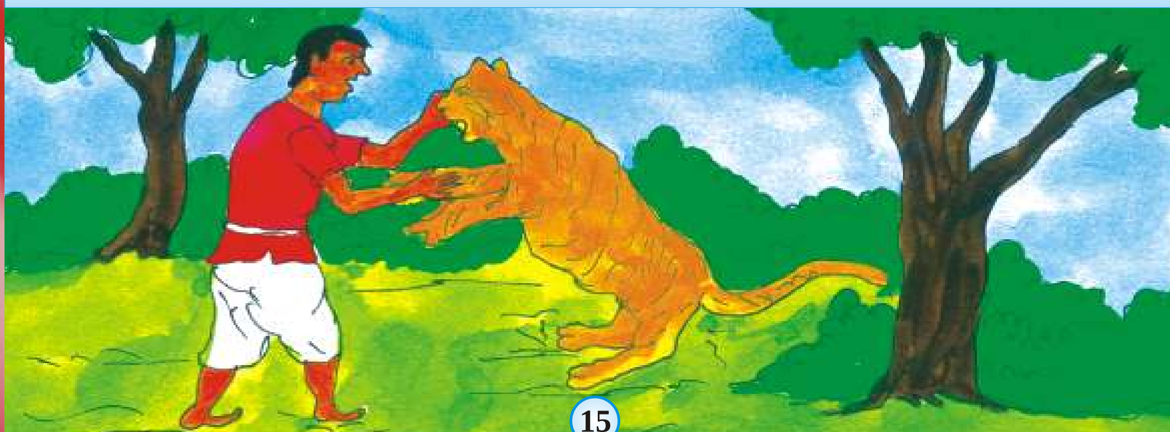
इन्द्रसँ अपन दुखड़ा सुनेलन्हि कमला।



इन्द्र एकटा बाघिनकेँ कमलाक संग कऽदेलन्हि।



ओहि बाघिन संगे गरीबनक युद्ध भेलन्हि।



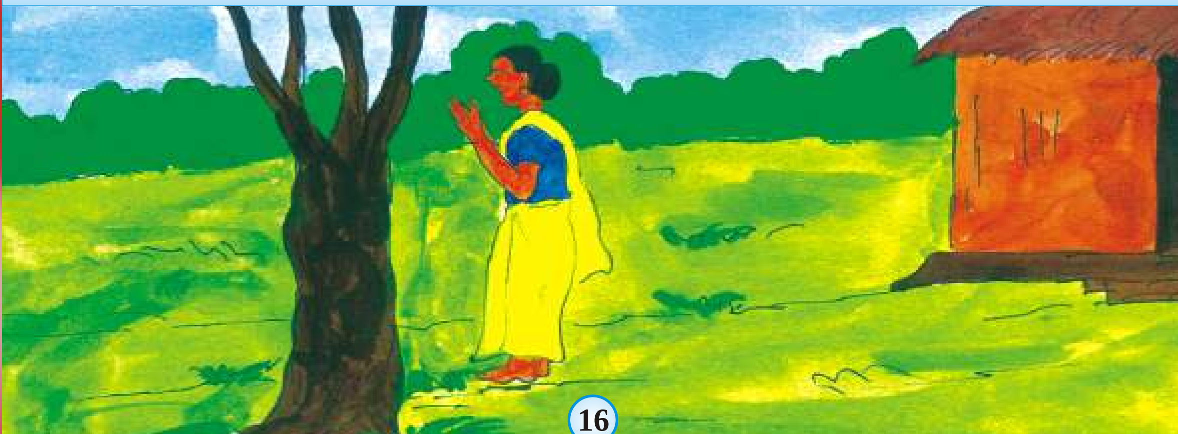
गरीबन मारल गेलाह।



कियो हुनकर लहाशकेँ कमलामे बहा देलकन्हि । आ हुनकर लहाश धोबियाघाटपर लागि गेलन्हि। मुदा ओ धोबी हुनकर लहाशकेँ सहटारि कऽ फेर धारमे दऽ देलक।



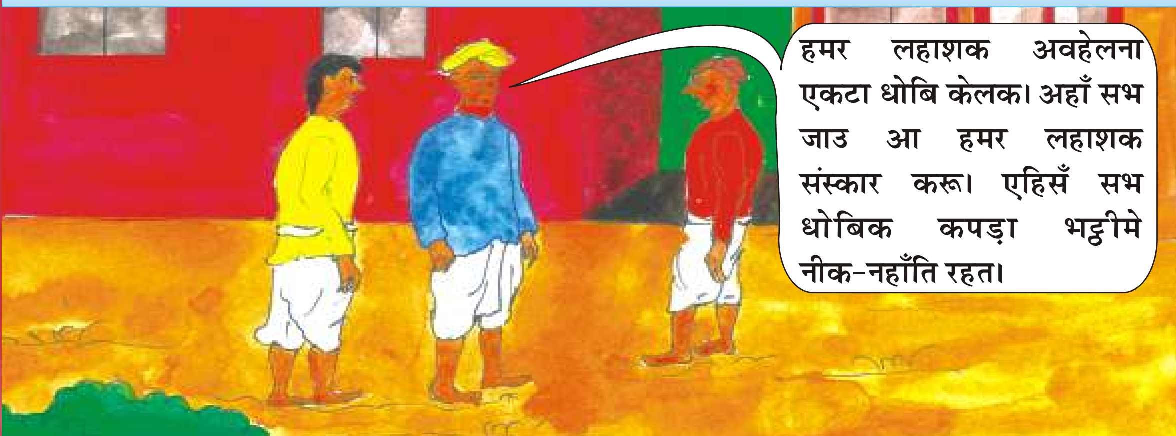
गरीबनक पत्नीक गोहारि भगवान सुनलन्हि।



गरीबनक आत्मा एकटा जिबैत लोकक शरीरमे आबि गेल।



ओ आत्मा लोकसभकेँ कहलक-



सभ सएह केलन्हि आ गरीबनक प्रभावसँ गरम भट्ठीमे सभटा वस्त्र सुरक्षित रहैत अछि।



5- fcgyk

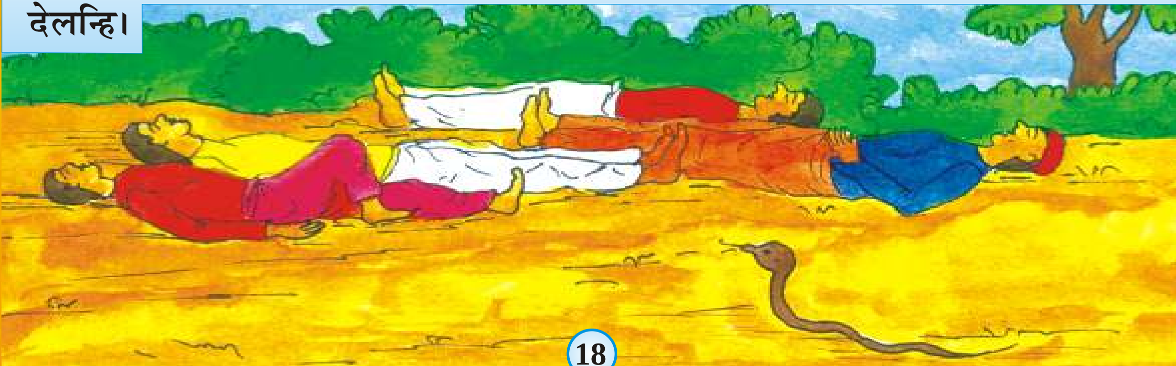
चम्पानगरमे रहै छल शिवभक्त चाँदू वणिक।



शिवक नगरी कैलाशसँ मनसा विषहरा चम्पानगर अएलीह आ चाँदकेँ अपन भक्त बनबए चाहलन्हि। मुदा ओ छल भोलाबाबाक भक्त, मना कऽ देलक।



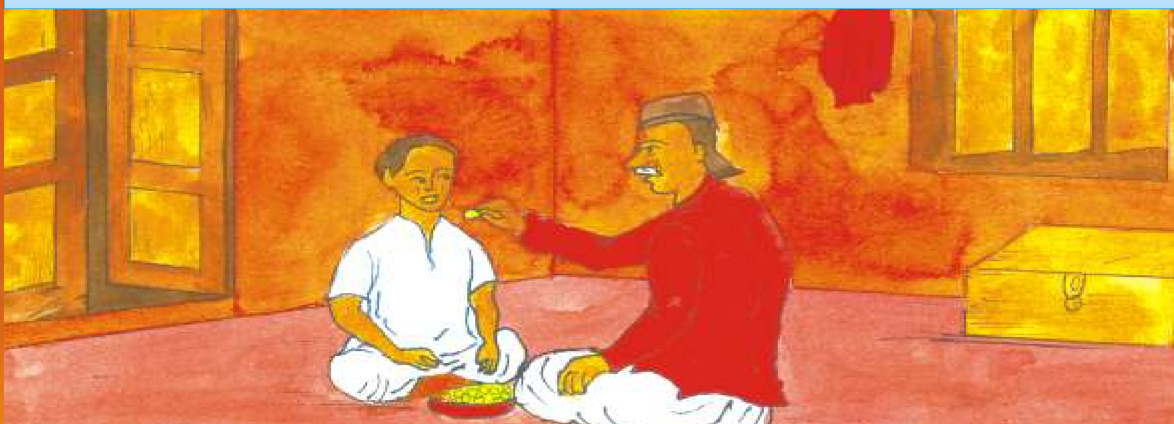
मनसा तमसा गेलीह, अपन असली रूपमे आबि एम्हर-ओम्हर जतए कतहु चाँदक बेटा भेटलन्हि तकरा काटि कऽ मारि देलन्हि, ओकर व्यापार खतम कऽ देलन्हि, जहाज डुमा देलन्हि।



दरिद्र चाँद वणिकक घरमे ओहि बिपतिमे एकटा पुत्रक जन्म भेलै, नाम राखल गेलै लखिन्दर।



लखिन्दर बढ़ऽ लागल।



चाँद वणिककेँ मनसा देवीक स्वप्न अएलै जे ओ लखिन्दरकेँ कोबर घरमे काटि लेतीह। से चाँद लखिन्दरक बियाह अखण्ड सौभाग्यवती बिहुलासँ करबेलन्हि।



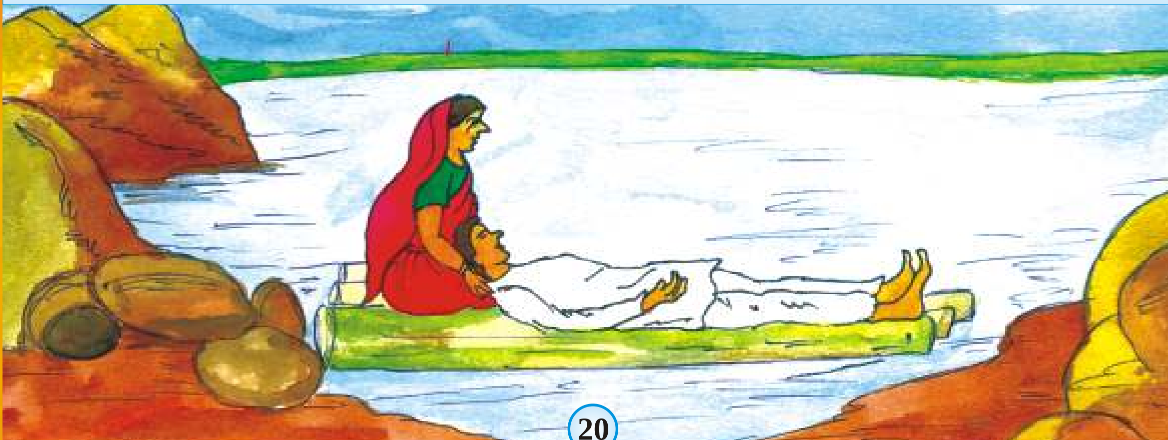
चाँद घरमे पातर जाली लगबेलन्हि जे विषहारा घरमे नञि पैसथि, मुदा मनसा ओहू पातर जालीसँ पैसि गेलीह आ लखिन्दर कऽ काटि कप्राण हरि लेलन्हि।



बिहुला पतिकेँ लऽ केराक थम्हपर धारमे बहि गेलीह।



धार हुनका प्रयागक त्रिवेणी घाटपर लऽ अनलकन्हि।



ओहि घाटपर एकटा धोबिन अबैत छलीह जे अपन बच्चाकेँ मारि कऽ घाटपर राखि दैत छलीह।



फेर अपन कपड़ा धो-पखारि-बान्हि घुरती काल बेटाकेँ जिआ कऽ लऽ जाइत छलीह।



बिहुलाकेँ ओ धोबिन कहलखिन्ह जे मनसाक आराधनासँ ओ मृतककेँ जीवित करबामे सक्षम भेल छथि।



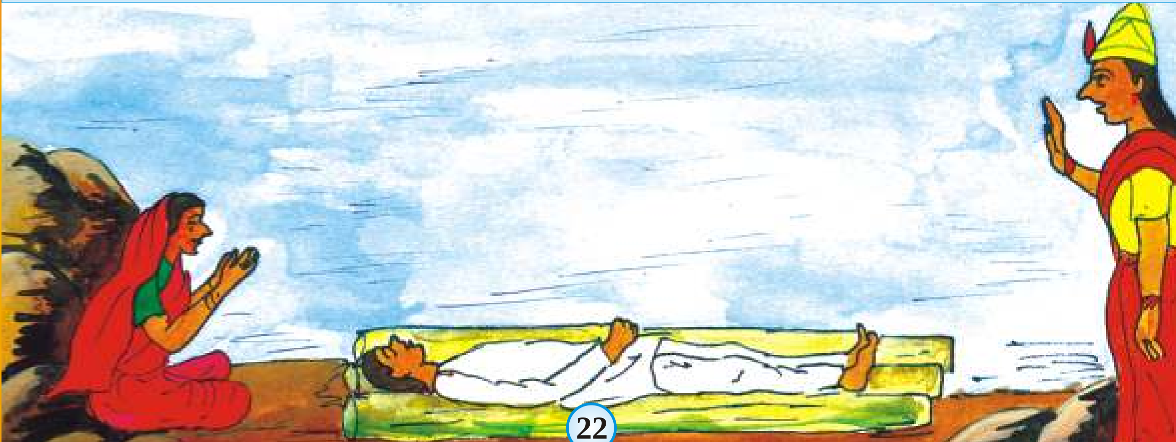
बिहुला मनसाक आराधना कएलन्हि। मनसा प्रसन्न भऽ आशीर्वाद देलन्हि जे लखिन्दर आ ओकर सातो भाँइ जीबि जेताह।



सएह भेल। लखिन्दर उठि कऽ बैसि गेलाह।



बिहुला अपन पति आ सातू भैसुर संगे ससुर लग आबि गेलीह।



6- lhrk vk lXxk

सीरध्वज जनकक राज्यक बसन्त ऋतु।



सीता अपन सखी संग घूमि रहल छलीह।



सीता झूला झुलैत आ सखी सभ झुलबैत, सभ गीत गबैत।



तखने सीताजी सोझाँमे एकटा जोड़ा सुग्गा देखलन्हि, वर आ कनियाँ। कनियाँ वएह गीत गबैत जे सीता अपन सखी संग गाबि रहल छलीह।



सीता महलमे अपन सेवकसँ ओहि सुग्गाकेँ पकड़ि कऽ अनबा लेल कहलन्हि।



सेवक उद्यान गेल।



सुग्गाक कनियाँकेँ पकड़ि कऽ सोनाक पिंजरा मे बन्न कऽ सीताजीकेँ देलक। सुग्गाक पति सेहो पत्नीक पाछाँ ओतए आबि गेल।



सुग्गा सीताजीकेँ कहलक-



सीता ओकर गपपर ध्यान नञि देलन्हि।



सीता तैयो ध्यान नञि देलन्हि।



7- lhrk xk, vk f[kf[kj

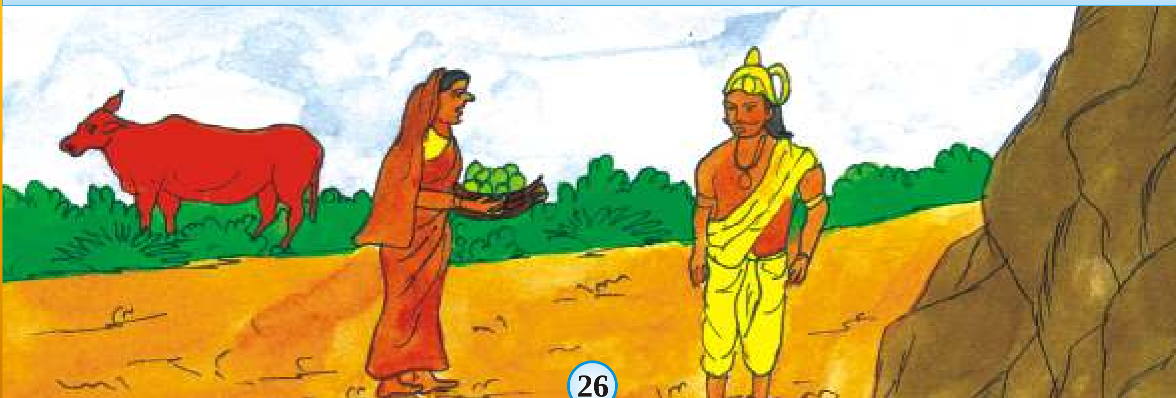
दशरथक पिण्डदान लेल राम, लक्ष्मण आ सीता गया गेलथि।



पिण्डदानक लेल आर किछु सामग्री अनबा लेल राम आ लक्ष्मण बिदा भेलाह, सीताकेँ प्रेतशिला पहाड़ लग बाट ताकैले कहि कऽ।



प्रेतशिला लग पुरखाक दर्शन होइ छै। दशरथ ओतए आबि गेलाह।



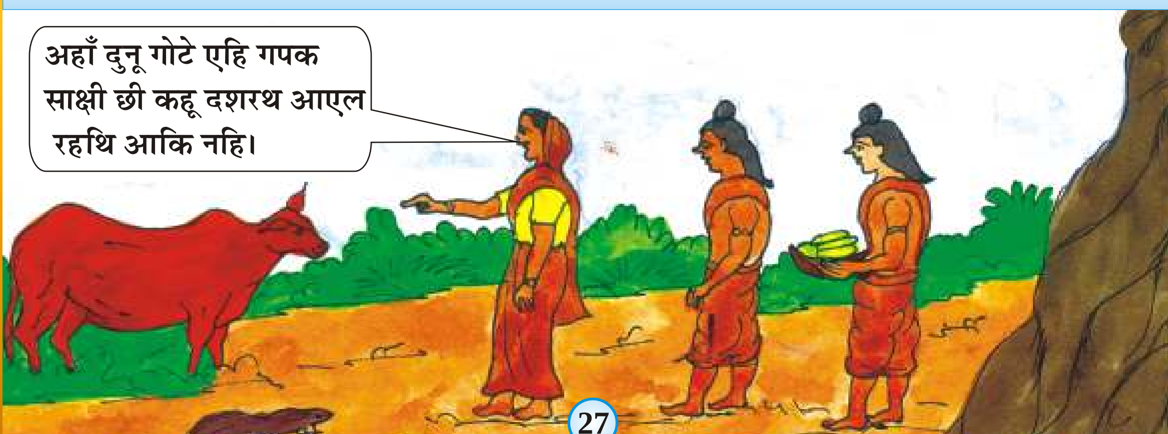
सीता अपन हाथक फल दशरथकेँ दऽ देलखिन्ह। खिखिर आ गाए साक्षी रहथि।



राम लक्ष्मणक अएलापर सीता ई गप हुनका सभसँ कहलखिन्ह। सीतासँ प्रमाण माँगल गेल।



सीता गाए आ खिखिर दिस घुरि बजलीह-



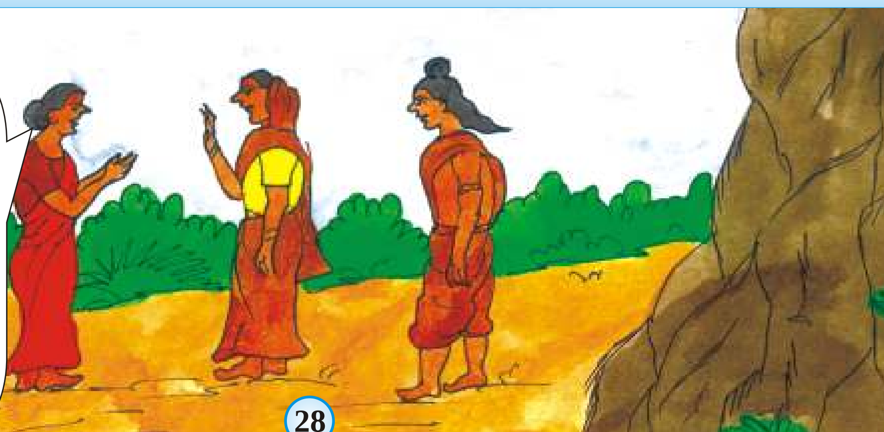
गाए चुप रहलि। गाए आ खिखिर एहि लोभमे रहथि जे फेरसँ पिण्डदान होएत तँ खएबा लेल आर भेटत।



मुदा एकटा धोबिन जे अढ़मे छलीह से आबि कऽ रामकेँ सत्यक जनतब देलन्हि आ खिखिर आ गाए पर तमसेलथि। रामकेँ सन्तोख भेलन्हि।



सीता धोबिनकेँ आशीर्वाद देलन्हि आ गाए ओ खिखिरकेँ स्राप।




गाए अहाँकेँ स्राप अछि जे अहाँ ऐंठ- कुइठ खा कऽ जीब आ हे खिखिर, अहाँकेँ स्राप अछि जे भरि दिन अहाँ बिल बनाएब मुदा रातिमे जे पैसबाक प्रयास करब तँ अहाँक पुच्छी मोट भऽ जाएत आ अहाँ भरि राति घरमे नहि रहि सकब।

8-v;kph feJ vk 'kdj feJ

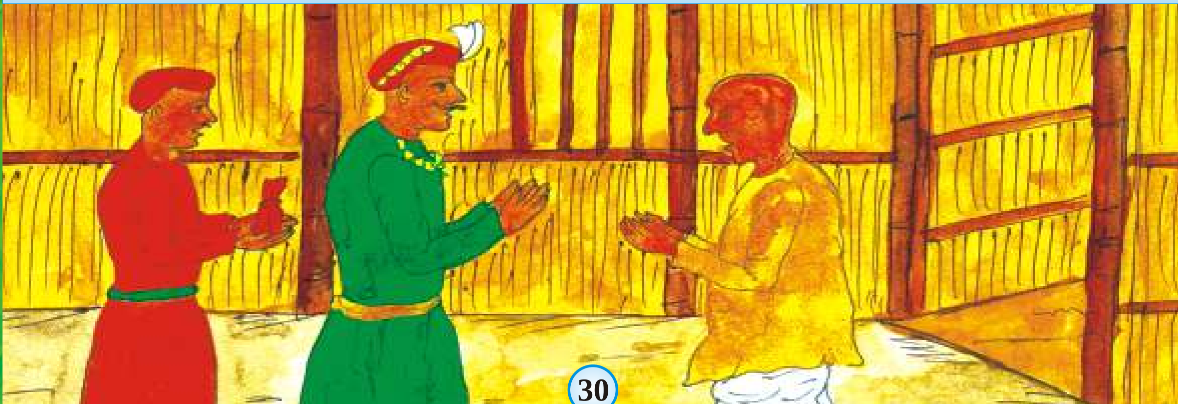
नैय्यायिक भवनाथ मिश्र मिथिलाक सरिसव ग्राममे बिना पाइ लेने विद्या देथि। ओ कहियो ककरोसँ किछु नञि मँगलन्हि, से हुनकर नाम पड़ि गेल अयाची मिश्र।



अपन बाड़ीमे जे उपजन्हि ताहिसँ हुनकर गुजर चलन्हि।



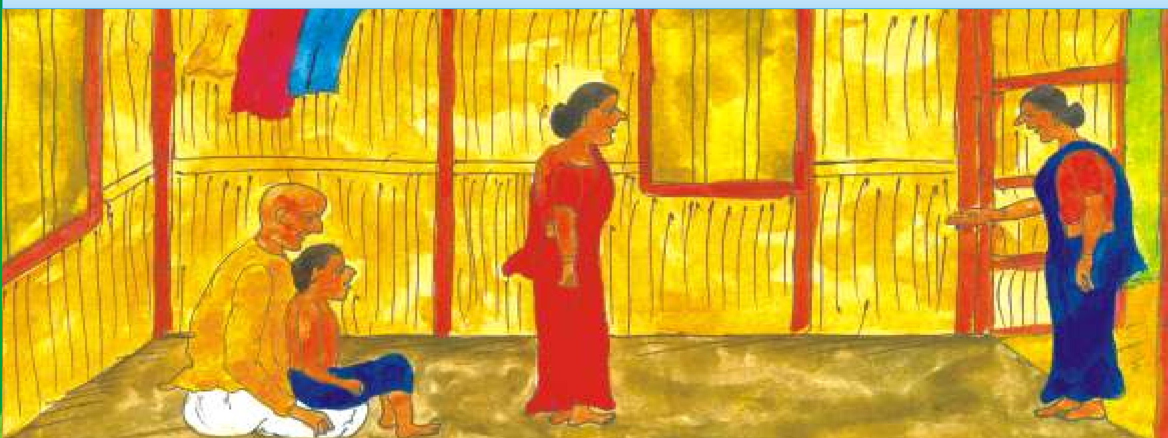
मिथिला नरेश शिवसिंहसँ सेहो कोनो सहायता लेब ओ स्वीकार नहि केलन्हि।



अयाची मिश्र आ हुनकर पत्नी भवानीक बेटा शंकर मिश्र छलखिन्ह। भवानी अपन बेटाकेँ पैघ भेलापर कहलखिन्ह जे हम अहाँक जनमपर चमैनकेँ गछने छिऐक जे अहाँक पहिल कमाइ ओकरा भेटतैक।



ओ चमैन सेहो शंकर मिश्रकेँ बड्ड मानै छलखिन्ह।



एक दिन मिथिला नरेश शिवसिंहक रथ सरिसवसँ जा रहल छल।



शिवसिंह शंकर मिश्रकें देखलन्हि।



शिवसिंह रथसँ उतरि ओहि बालक लग पहुँचलाह तँ पता लगलन्हि जे ओ बालक भवनाथ मिश्रक पुत्र छथि।



राजाकें उत्कण्ठा भेलन्हि-



राजा आश्चर्यमे पड़ि गेलाह-



राजा मंत्रीकेँ कहलन्हि-



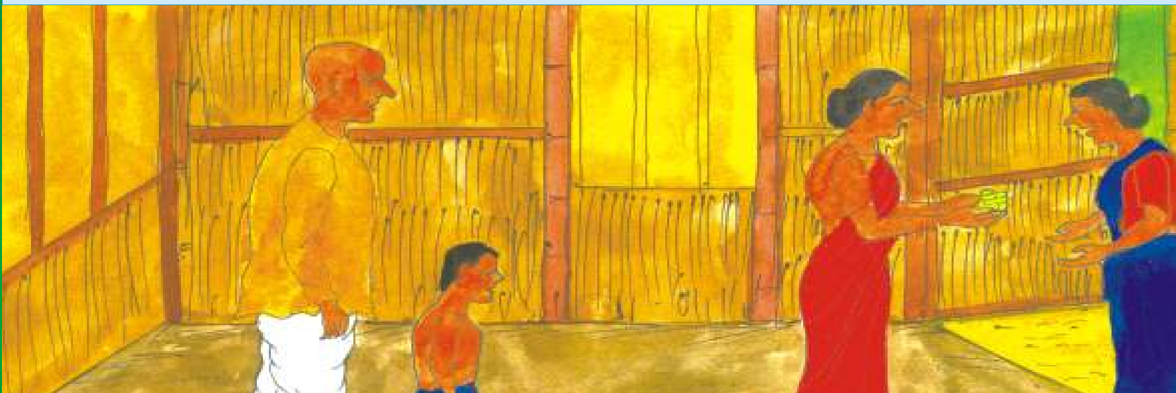
शंकर मिश्र दू बाकुट सोनाक अशर्फी खजानासँ लेलन्हि।



आ गामपर माएकेँ दऽ देलखिन्ह।



आ माए ओ सभटा अशर्फी ओहि चमैनकेँ दऽ देलखिन्ह।



ओ चमैन ओहि अशर्फीसँ सरिसवमे एकटा पोखरि खुनबेलन्हि, ओ पोखरि आइयो चमैनिया पोखरिक नामसँ गाममे विद्यमान अछि।

9-i{k/j feJ

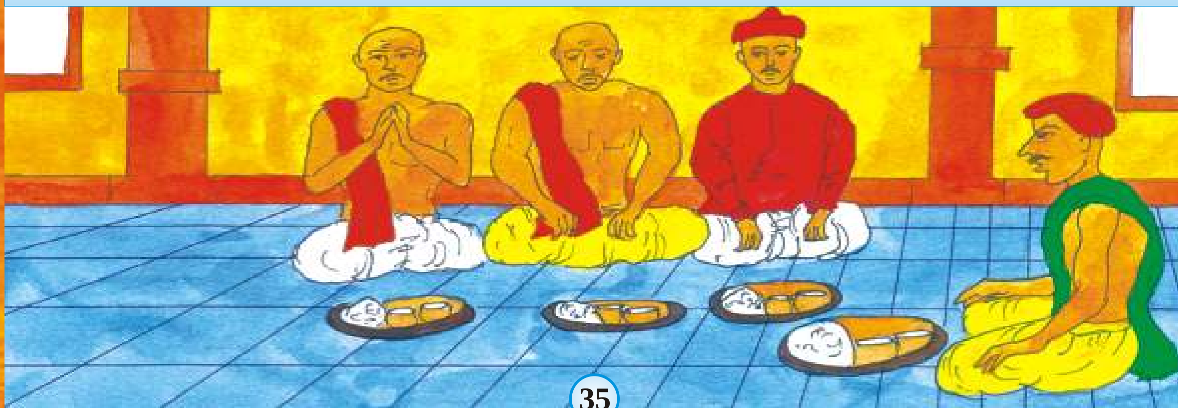
विद्यापति अपन गाम बिस्फीमे एकटा धर्मशाला बनबेने रहथि।



एक दिन ओ धर्मशाला पहुँचलाह, सभक समाचार पुछलखिन्ह।



भोजनपर सभ बैसै गेलाह।



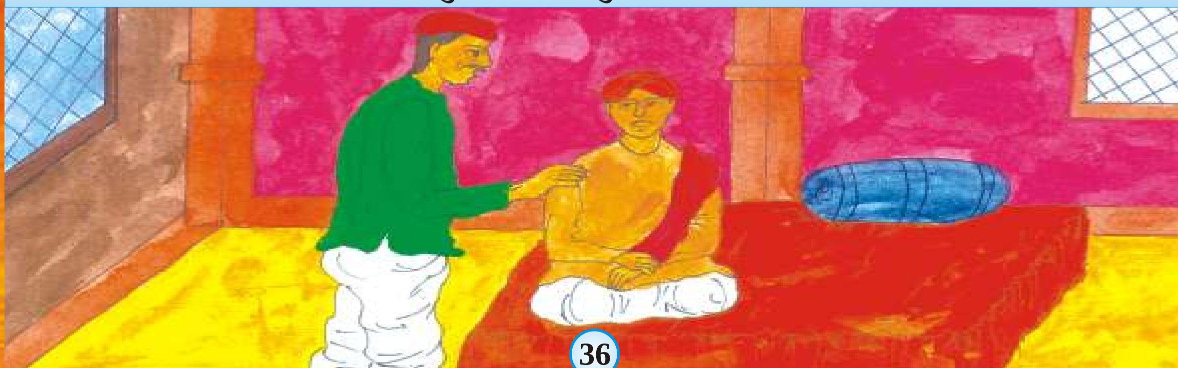
फेर सभ आराम करैले जाइ गेलाह।



तखने विद्यापति एक गोटेकेँ देखलन्हि जे भोजनमे छुटि गेल छलाह।

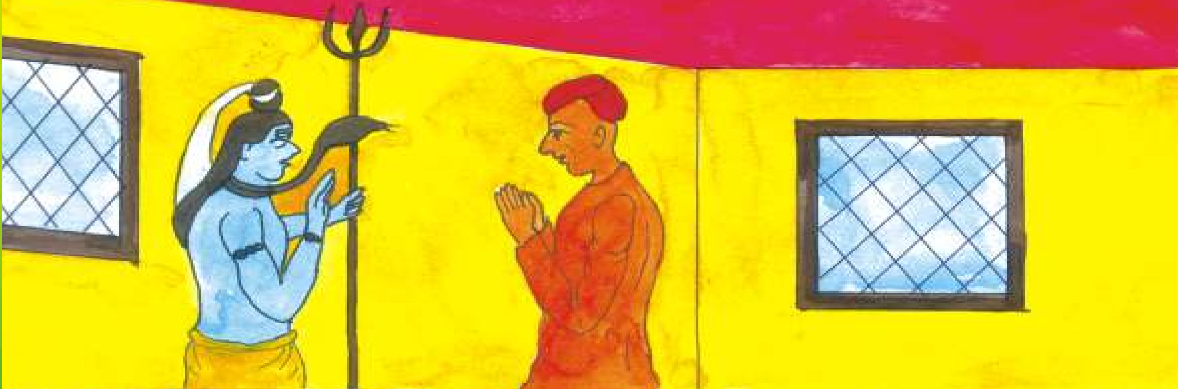


विद्यापति हुनका चीन्हि गेलाह। ई तँ जयदेव मिश्र छथि, हमर गुरूभाइ। आब हिनकर नाम पक्षघर मिश्र पड़ि गेल छलन्हि, तेहन तर्कपूर्ण गप करै छलाह, ताहि कारणसँ। हुनके कक्का हरिमिश्र तँ विद्यापतिक गुरू छलाह। हुनका घर लऽ गेलाह विद्यापति।



10- mxuk

विद्यापति बड़का भारी शिवभक्त।



शिव विद्यापतिक गीत सुनि कैलाशमे नाचऽ लागथि। एक दिन ओ नोकर बनि उगना नाम राखि विद्यापति लग आबि गेलाह।



विद्यापतिकेँ एक बेर कतौ दूर देश जएबाक छलन्हि। पत्नी चानन हुनका उगनाकेँ संग लऽ जएबा लेल कहलखिन्ह।



रस्तामे विद्यापतिकेँ पियास लगलन्हि।



उगना चारू दिस घुरि अएलाह , पानि कतहु नञि भेटलन्हि।



विद्यापति पियासे मूर्च्छित भऽ रहल छलाह।



तखने उगना हुनका पानि देलखिन्ह।



विद्यापति पानि पीबि कहलखिन्ह–



तखने विद्यापति उगनाक भीजल माथ देखलन्हि। आ बूझि गेलाह जे ओ शिवक जटासँ निकलल गंगाजल पीलनि अछि।



शिव हुनका दर्शन देलखिन्ह-



शिव विद्यापतिकेँ ठाढ़ केलन्हि।



ओम्हर कैलाशमे पार्वती चिन्तित। एक दिन चानन उगनाकेँ तेतरि अनबा लेल कहलखिन्ह।



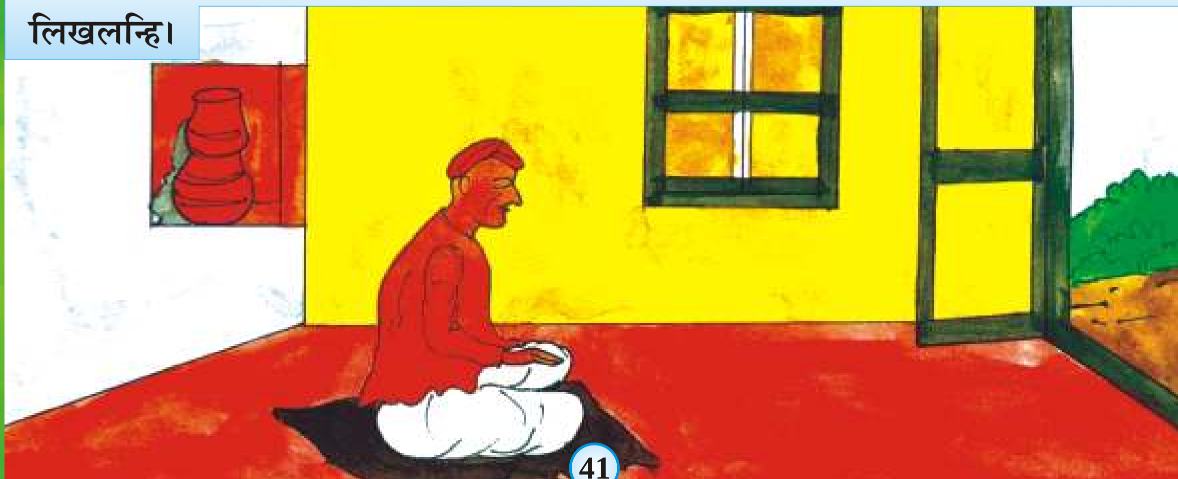
पार्वती सभटा तेतरि तोड़ि लेलन्हि। से उगना खाली हाथे पहुँचलाह। चाननक हाथमे बाढ़नि छलन्हि।



ओ बाढ़नि लऽ उगनापर दौगलीह।



मुदा उगना विलोपित भऽ गेलाह। हुनकर वियोगमे विद्यापति कएकटा गीत विक्षिप्त भऽ लिखलन्हि।



11- मीरां साहेब

डिलरीनगरमे एकटा सैयद छलाह। अपन कनियाँ आ बेटा सभक संग रहैत छलाह। सभ लड़ाका सभ।



नूनजागढ़क युद्ध।



मुदा एहि बेर भाग्य संगमे नहि छलन्हि। सैयद अपन सभटा बेटाक संग मारल गेलाह।



मुदा सैयदक पत्नी गर्भवती छलखिन्ह। हुनका बेटा भेलन्हि। नाम राखल गेलै मीरां।



मीरां पैघ भेल। मुदा ओहो लड़ाका निकलल।



माए ओकर बियाह करबेलन्हि , ई सोचि जे युद्धसँ ध्यान हटतै।



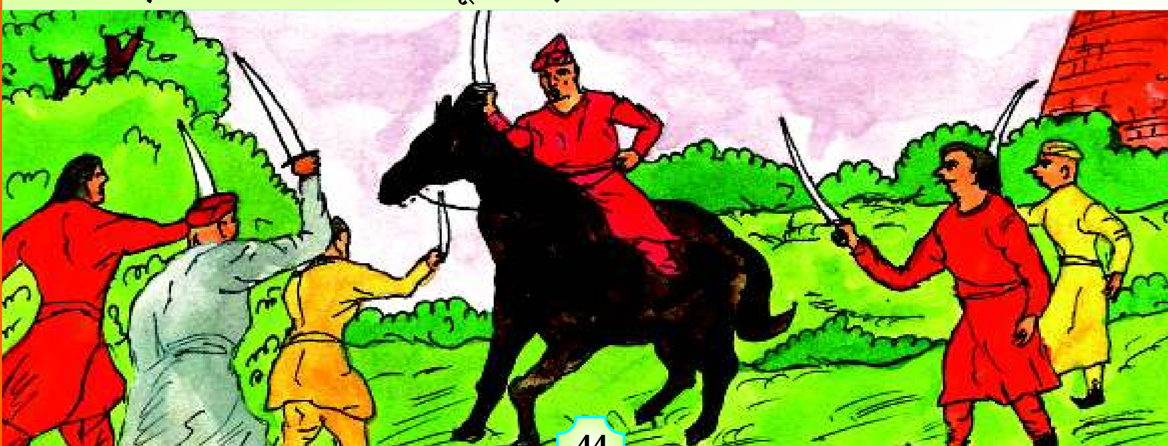
मुदा मीरां अपन बाप-भाएक बदला लेबाक लेल नूनजागढ़ जएबाक प्रण केलन्हि। माए आ पत्नी बड्ड बुझेलखिन्ह।



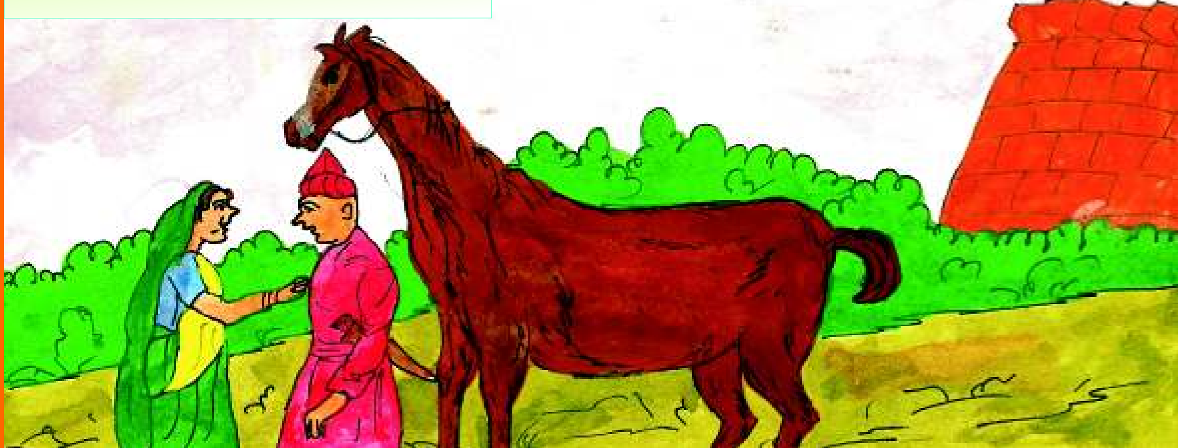
मीरां नूनजागढ़ बिदा भेलाह।



बाप-माएक बदला लेलन्हि मीरां नूनजागढ़ जा कऽ।



डिलरीनगर घुरि अएलाह मीरां। हुनकर मृत्युक बादो बहुत दिन धरि डिलरीनगरमे हुनक आत्माक प्रभावसँ शान्ति रहल।



12- vej ckck

कमला धारक जन्म भेलन्हि आ किसान आ मलाह सभक जीवन आनन्दित भऽ गेल।



मुदा चमार जातिक सरदार बैदलाक मोनमे खोट आबि गेलै। ओ बरजोड़ी कमलासँ बियाह करए चाहलक।



मलाह लोकनिकेँ एहि गपक पता चललन्हि।



ओ सभ भोला बाबाक तपस्या करबाक संकल्प लेलन्हि।



कमलाक सतीत्व बचाऊ महादेव--ई कहि सभ मलाह तपस्या शुरू केलन्हि।



भोलाबाबा प्रगट भेलाह।



सएह भेल।



अमरसिहं पैघ भेलाह आ अखराहामे माटि देलन्हि बैदलाकेँ। युद्ध भेल आ बैदला मारल गेल।



बैदलाक कनियाँ सेहो मारलि गेलि मुदा तखने जनमल ओकर बेटा छल बड्ड बलगर। कमला अमरसिंहकेँ किछु भेद बतेलन्हि।



आ तखन अमरसिंह बैदलाक बेटाकेँ सेहो मारि देलन्हि।

